

धन्यवाद प्रस्ताव

प्रलिस के लयल:

[धन्यवाद प्रस्ताव](#), [संसद](#), [राज्यसभा](#), [75वाँ गणतंत्र दवलस](#), [प्रत्यक्ष वदलशी नवलश](#), [खादी और ग्रामोदयोग](#)

मेन्स के लयल:

संसद, संसद में प्रस्ताव, सरकारी नीतलयाँ और हस्तक्षेप

[सरोत: पी. आई. बी.](#)

चर्चा में क्योँ?

हाल ही में [प्रधानमंत्री](#) नरेंद्र मोदी ने [राज्यसभा](#) में [राष्ट्रपति](#) के अभलषण पर [धन्यवाद प्रस्ताव](#) पर हुई चर्चा का जवाब दलया । सदन को संबोधतल करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कल [75वाँ गणतंत्र दवलस](#) देश की यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है और राष्ट्रपतल ने अपने अभलषण के दौरान भारत के आत्मवलशास की चर्चा की ।

धन्यवाद प्रस्ताव क्या है?

- धन्यवाद प्रस्ताव एक संसदीय प्रक्रलया है जसलमें संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपतल के अभलषण के प्रति आभार या प्रशंसा व्यक्त करने के लयल एक औपचारकल प्रस्ताव प्रस्तुत कलया जाता है ।
 - राष्ट्रपतल का अभलषण सरकार की नीतल का ववलरण होता है और इसे सरकार द्वारा तैयार कलया जाता है । इसमें पछले वर्ष के दौरान सरकार की ववलन्न गतवलधलयाँ तथा उपलब्धलयाँ की समीक्षा शामिल है एवं उन नीतलयाँ, परयोजनाओं व कार्यक्रमों को नरलधारतल कलया गया है जलन्हें सरकार महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से संबधतल आगे बढ़ाना चाहती है ।
- अनुच्छेद 87 में प्रावधान है कल लोकसभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद पहले सत्र के प्रारंभ में और प्रत्येक वर्ष के पहले सत्र के प्रारंभ में राष्ट्रपतल संसद के दोनों सदनों को एक साथ संबोधतल करेगा तथा संसद को सत्र आहूत करने के कारणों के बारे में सूचतल करेगा ।
 - कलसी भी सदन की प्रक्रलया को नयलत्रतल करने वाले नयलम अभलषण में संदर्भतल मामलों पर चर्चा के लयल समय के आवंटन का प्रावधान करेंगे ।
 - इस तरह के संबोधन को 'वलशेष संबोधन' कहा जाता है और यह एक वार्षकल वशलषता भी है ।
- बरटलन में 'राजशाही/सहलसन से भाषण' (Speech From The Throne) के समान राष्ट्रपतल के अभलषण पर संसद के दोनों सदनों में 'धन्यवाद प्रस्ताव' नामक एक प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा की जाती है ।
 - संशोधन अभलषण में नहतलतल मामलों के साथ-साथ उन मामलों को भी संदर्भतल कर सकते हैं जलनका सदस्य की राय में अभलषण उल्लेख करने में वफल रहा है ।
 - यदल कलसी भी संशोधन को सदन के समक्ष रखा जाता है तथा स्वीकार कलया जाता है तो धन्यवाद प्रस्ताव संशोधतल रूप में स्वीकार कलया जाता है ।
 - चर्चा के समापन पर प्रस्ताव पर मतदान कराया जाता है ।
- धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा प्रधानमंत्री या कलसी अन्य कलसी मंत्री द्वारा उत्तर दलया जाने पर समाप्त हो जाती है । इसके तुरंत बाद संशोधन नपलटाए जाते हैं और धन्यवाद प्रस्ताव मतदान के लयल रखा जाता है तथा स्वीकृत कलया जाता है ।
- धन्यवाद प्रस्ताव सदन में पारतल होना चाहलया अन्यथा यह सरकार की हार मानी जाती है । यह उन तरीकों में से एक है जसके माध्यम से लोकसभा में सरकार अवशलवास में आ सकती है ।
- धन्यवाद प्रस्ताव की प्रक्रलया में सदस्य उन मामलों का उल्लेख नहीं कर सकते जो केंद्र सरकार के प्रत्यक्ष उत्तरदालयतलव से संबधतल नहीं हैं अथवा बहस में राष्ट्रपतल के नाम का उल्लेख नहीं कर सकते हैं जो इसकी परसलमा को दर्शाती है ।

Other Motions in Indian Parliament

Privilege Motion	<ul style="list-style-type: none"> ▪ It is moved by a member when he feels that a minister has committed a breach of privilege of the House or one or more of its members by withholding facts of a case or by giving wrong or distorted facts. Its purpose is to censure the concerned minister. ▪ It can be moved in Rajya Sabha as well as Lok Sabha.
Censure Motion	<ul style="list-style-type: none"> ▪ It should state the reasons for its adoption in the Lok Sabha. It can be moved against an individual minister or a group of ministers or the entire council of ministers. ▪ It is moved to censure the council of ministers for specific policies and actions. It can be moved only in Lok Sabha.
Call-Attention Motion	<ul style="list-style-type: none"> ▪ It is introduced in the Parliament by a member to call the attention of a minister to a matter of urgent public importance, and to seek an authoritative statement from him on that matter. ▪ It can be moved in Rajya Sabha as well as Lok Sabha.
Adjournment Motion	<ul style="list-style-type: none"> ▪ It is introduced in the Lok Sabha to draw the attention of the House to a definite matter of urgent public importance. It involves an element of censure against the government. ▪ It can be moved only in Lok Sabha.
No-Day-Yet-Named Motion	<ul style="list-style-type: none"> ▪ It is a motion that has been admitted by the Speaker but no date has been fixed for its discussion. ▪ It can be moved in Rajya Sabha as well as Lok Sabha.
No Confidence Motion	<ul style="list-style-type: none"> ▪ Article 75 of the Constitution says that the council of ministers shall be collectively responsible to the Lok Sabha. In other words, the Lok Sabha can remove the ministry from office by passing a no-confidence motion. The motion needs the support of 50 members to be admitted. ▪ It can be moved only in Lok Sabha.
Cut Motions	<ul style="list-style-type: none"> ▪ A cut motion is a special power vested in members of the Lok Sabha to oppose a demand being discussed for specific allocation by the government in the Finance Bill as part of the Demand for Grants. ▪ If the motion is adopted, it amounts to a no-confidence vote, and if the government fails to jot up numbers in the lower House, it is obliged to resign according to the norms of the House. ▪ A motion may be moved to reduce the amount of a demand in any of the following ways: <ul style="list-style-type: none"> ○ Policy Cut Motion: It is moved so that the amount of the demand be reduced to Re.1 (represents disapproval of the policy underlying the demand). ○ Economy Cut Motions: It is moved so that the amount of the demand will be reduced by a specified amount. ○ Token Cut Motions: It is moved so that the amount of the demand is reduced by Rs.100 (expresses a specific grievance). ▪ It can be moved only in Lok Sabha.



राष्ट्रपतिके अभिषेण से संबन्धित प्रमुख बढि क्या हैं?

- सबसे तेजी से बढती प्रमुख अर्थव्यवस्था:
 - राष्ट्रपतिके अनुसार वैश्विक चुनौतियों के बावजूद नरितर दो तमिहियों में 7.5% से अधिक की वकिस दर बनाए रखते हुए भारत की अर्थव्यवस्था **सबसे तेजी से बढती प्रमुख अर्थव्यवस्था** रही ।
- समष्टि-अर्थशास्त्र की स्थरिता:
 - सरकार ने समष्टि-अर्थशास्त्र (Macroeconomic) की स्थरिता पर ध्यान केंद्रित किया जिसके परिणामस्वरूप भारत 'कमज़ोर 5' से 'शीर्ष 5' अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ ।
 - समष्टि-अर्थशास्त्र स्थरिता का आशय एक ऐसी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से है जिसकी बाह्य कारकों के प्रतिसंवेदनशीलता कम हुई है जिसके परिणामस्वरूप नरितर वकिस की संभावनाएँ बढ जाती हैं ।
 - यह वैश्विक बाज़ार में मुद्रा और ब्याज के उतार-चढाव के वरिद्ध एक बफर के रूप में कार्य करता है ।
 - मुद्रा में उतार-चढाव, अत्यधिक ऋण भार और अनरिंतरित मुद्रास्फीती के कारण आर्थिक संकट एवं **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में गरिवट आ सकती है ।
- प्रभावशाली नरियात आँकडे:
 - **भारत के नरियात** में पर्याप्त वृद्धि देखी गई, जो बढकर 775 बलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, जो देश के आर्थिक लचीलेपन को दर्शाता है ।
- प्रत्यक्ष वरिदेशी नरिेश (FDI) में वृद्धि:
 - **FDI प्रवाह दोगुना वृद्धि** हुई, जिससे भारत की आर्थिक शक्ति में वृद्धि हुई ।
 - वर्ष 2014-2015 में भारत 45.15 बलियन अमेरिकी डॉलर पर था और तब से लगातार आठ वर्षों तक रकिर्ड FDI प्रवाह तक पहुँच गया है । वर्ष 2021-22 में अब तक का सबसे अधिक 83.6 बलियन अमेरिकी डॉलर का FDI दर्ज किया गया ।
 - वरित वर्ष 2022-23 के दौरान 71 बलियन अमेरिकी डॉलर (अनंतमि आँकडा) का FDI प्रवाह दर्ज किया गया है ।
- खादी और ग्रामोदयोग में तेजी:
 - वरितीय वर्ष 2013-14 से वरितीय वर्ष 2022-23 तक **खादी और ग्रामोदयोग उत्पादों** की बकिरी चार गुनी हो गई, जो स्वदेशी उदयोगों को समर्थन देने वाली पहल की सफलता को दर्शाती है ।
- आयकर रटिरन में बढोतरी:
 - वर्ष 2023-2024 आयकर रटिरन दाखलि करने वाले लोगों की संख्या नरिधारण वर्ष (AY) 2013-14 में लगभग 3.25 करोड से बढकर वर्ष 2023-2024 लगभग 8.25 करोड हो गई ।
- मज़बूत वरिदेशी मुद्रा भंडार:
 - राष्ट्रपतिके घोषणा की कि **भारत का वरिदेशी मुद्रा भंडार** अब 600 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है, जो देश की वरितीय स्थरिता को रेखांकित करता है ।
- पीएम-कसिान सम्मान नरिधि योजना:
 - **पीएम-कसिान सम्मान नरिधि योजना** के तहत कसिानों को 2.8 लाख करोड रुपए से अधिक प्राप्त हुए, जो कृषि आजीविका का समर्थन करने के लयि सरकार की प्रतबिद्धता पर ज़ोर देता है ।
- कसिानों के लयि ऋण:
 - पछिले एक दशक में कसिानों के लयि बैंकों से आसान ऋण में तीन गुना वृद्धि हुई है, जिससे कृषक समुदाय की वरितीय कल्याण सुनश्चिति हुआ है ।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की सफलता:
 - राष्ट्रपतिके **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** की सफलता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस योजना के तहत कसिानों को 30,000 करोड रुपए का प्रीमियम भुगतान किया गया और उन्हें 1.5 लाख करोड रुपए का दावा (Claim) प्रदान किया गया ।
- राम मंदरि नरिमाण:
 - राष्ट्रपतिके अयोध्या में राम मंदरि के नरिमाण के ऐतहिसकि अवसर पर प्रकाश डाला ।
 - उन्होंने मंदरि नरिमाण की सदरियों पुरानी आकांक्षा की पूरणता पर प्रकाश डालते हुए इसे राष्ट्र के लयिसांस्कृतिक दृष्टि से एक महान व बड़ी उपलब्धि बताया ।
 - राष्ट्रपतिके अयोध्या में पाँच दरिनों के अभषिक समारोह के दौरान 13 लाख श्रद्धालुओं की वशाल उपस्थतिका हवाला देते हुए **रिसत स्थल संबंधी पर्यटन को बढावा देने** में सरकार की भूमिका को रेखांकित किया ।

UPSC सवलि सेवा परीक्षा, वरिगत वर्ष के प्रश्न

????????

प्रश्न. भारत की संसद कसिके/कनिके द्वारा मंत्रपरिषद के कृत्यों के ऊपर नरिंतरण रखती है? (2017)

1. स्थगन प्रस्ताव
2. प्रश्न काल
3. अनुपूरक प्रश्न

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न.1 आपकी दृष्टि में, भारत में कार्यपालिका की जवाबदेही को नश्चिन्ता करने में संसद कहाँ तक समर्थ है? (2021)

प्रश्न.2 क्या आपके विचार में भारत का संविधान शक्तियों के कठोर पृथक्करण के सिद्धांत की स्वीकार नहीं करता है, बल्कि यह 'नियंत्रण एवं संतुलन' के सिद्धान्त पर आधारित है? व्याख्या कीजिये। (2019)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/motion-of-thanks-3>

